वर्ग : स्नातक प्रथम वर्ष (सामान्य)

Class: B.A. 1st part (general)

विषय (Subject) : दर्शनशास्त्र (Philosophy)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Questions)

अध्याय 1: भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएँ

Chapter 1 (General Features of Indian Philosophy)

……..

1.1 'दर्शन' शब्द व्युत्पन्न है (The word 'Darshana' is derived from the Verb)-

A. दृश् (Drs) B. कृ (Kr) C. ज्ञा (Jna) D. गम् (Gam)

1.2 भारतीय दर्शन में आस्तिक दर्शनों की संख्या है (The number of orthodox school in Indian Philosophy is)

A. तीन (Three) B. चार (Four) C.पाँच (five) D. छह (six)

1.3 भारतीय दर्शन में नास्तिक दर्शन कितने हैं (The number of Nastika school in Indian Philosophy is)

A. दो (Two) B. तीन (Three) C. चार (Three) D. पाँच (Four)

1.4 निम्नलिखित में कौन आस्तिक दर्शन नहीं है (Which of the following is /are not Astika Darsana)

A. चार्वाक (Carvaka) B. जैन (Jainism)

C. बौद्ध (Buddhism) D. उपर्युक्त सभी (all above)

1.5 निम्नलिखित में कौन नास्तिक दर्शन नहीं है (Which of the following is/are not Nastika Darsana)

A न्याय (Nyaya) B सांख्य(Samkhya)

C योग (Yoga) D उपर्युक्त सभी (All above)

1.6 पुरुषार्थ कितने हैं (Purusarthas are) –

A. एक (One) B. दो (Two) C. चार (four) D. तीन (three)

1.7 निम्नलिखित में कौन परम पुरुषार्थ है (Which one of the following is the Ultimate Purusartha)

A. अर्थ (Artha) B. धर्म (Dharma)

C.काम (Kama) D मोक्ष (Moksha)

1.8 भारतीय दर्शन में किसे पुरुषार्थ नहीं माना जाता। (Which one is not Purusartha)

A. सन्यास (samnayas) B. अर्थ (Artha)

C. मोक्ष (Moksha) D. काम (kama)

1.9 वेदों की संख्या है

A. एक.(one) B. दो (Two) C .तीन (Three) D. चार(Four)

1.10 भारतीय दर्शन के अनुसार 'नास्तिक' का अर्थ किसका निषेध है? (Nastika , according to Indian Philosophy is that who denies)

A. वेद (Veda). B. ईश्वर (God) C. जगत (World) D. आत्मा (Soul)

1. 11 निम्नलिखित में कौन भारतीय दर्शन की विशेषता है (what are the features of Indian Philosophy)

A. तर्कनिष्ठता एवं बौद्धिकता (logical and rational)

B. व्यवहारिकता एवं आशावादिता (practical and optimistic)

C. नैतिकता एवं आध्यात्मिकता (Ethical and Spiritual)

D. उपर्युक्त सभी (all the above)

1.12. भारतीय दर्शन का उद्देश्य है (The aim of Indian Philosophy is)

A. सुख (pleasure) B.ज्ञान (jnana)

C. मोक्ष (Moksha) D. उपर्युक्त सभी (All the above)

1.13. भारतीय दर्शन के अनुसार आत्मा को माना गया है (Atman is)

A. जड़ (jada) B. चेतन (Chetna)

C. दोनो (Both) D. इनमें से कोई नहीं (none of these)

1.14. भारतीय दर्शन विश्वास करता है (Indian Philosophy believes in)

A.ऋत (Rit) **B कर्म (Karma)**

C पुरुषार्थ (Purusartha) **D. उपर्युक्त सभी (All the above)**

1.15. निम्नलिखित में कौन ईश्वर की सत्ता नहीं मानते(Who among the following don't accept the existence of God

A. चार्वाक (Carvaka) **B. न्याय (Nyaya)**

C. वेदांत (Vedanta). **D. सभी (All)**

1.16 अपवर्ग का अर्थ है (The meaning of Apavarga is)-

A. बंधन (Bondage). **B. मोक्ष (Liberation)**

C.धर्म (Dharma). **D काम (Kama)**

1.17 'श्रीमद्भगवद्गीता' किस ग्रंथ का भाग है(The Gita is a part of which scripture)?

A. वेद (The Vedas) **B.महाभारत (The Mahabharata)**

C. पुराण (The Paranas) **D रामायण(The Ramayana)**

1.18 गीता का संदेश है (Messages of the Gita is) -

A. ज्ञान (Jnana) **B.निष्काम कर्म (Niskama karma)**

C. भक्ति (Bhakti) **D.उपर्युक्त सभी (All the above)**

1.19. भारतीय दर्शन के अनुसार बंधन का मूल कारण है (The root cause of bondage is)

A. अज्ञान (ignorance) B. काम (desire)

C. लोभ (greed) D. क्रोध (anger)

1.20 भारतीय दर्शन के अनुसार मुक्ति का मार्ग है (the path of liberation is/are)-

A. ज्ञान (Jnana) B. निष्काम कर्म (Niskama karma)

C. भक्ति (Bhakti) D. उपर्युक्त सभी (All the above)

अध्याय 2: चार्वाक दर्शन (Carvaka school)

……

2.1 चार्वाक दर्शन का दूसरा नाम है-

A. लोकायत B.लोकसंग्रह C.लोकनिंदक D.उपर्युक्त सभी

2.2 चार्वाक के अनुसार कितने प्रमाण है?

A. एक B.दो C.तीन D.चार

2.3 चार्वाक किसे प्रमाण नहीं मानते

A. अनुमान B.शब्द C.उपमान D.उपर्युक्त सभी

2.4 चार्वाक के अनुसार पुरुषार्थ की संख्या है-

A.एक B. दो C.तीन D.चार

2.5 चार्वाक किसे पुरूषार्थ मानते हैं?

A.अर्थ B.काम C.दोनो D.कोई नहीं

2.6 चार्वाक किसे पुरुषार्थ नहीं मानते?

A. धर्म B.मोक्ष C.दोनो D.भोग

2.7 निम्नलिखित कथन किस दर्शन से संबंधित है 'जबतक जीयो, सुख से जीयो'-

A.न्याय B.बौद्ध C.चार्वाक D.जैन

2.8 'प्रत्यक्ष ही एक मात्र प्रमाण है।' यह मत किसका है?

A. चार्वाक B. बौद्ध C. जैन D.योग

2.9 मरण ही मुक्ति है 'मरणमेवापवर्गः'- इस मत के पोषक हैं

A. बौद्ध B. जैन C. चार्वाक D.योग

2.10 'जड़ ही मूल तत्व है'- यह मत किसका है?

A. जैन B. बौद्ध C. सांख्य D.चार्वाक

2.11 'चेतना जड़ से उत्पन्न होती है।'– यह किस दर्शन में स्वीकृत है?

A. जैन B. वेदांत C.चार्वाक D. बौद्ध

2.12. 'व्याप्ति की स्थापना नहीं हो सकती, अतः अनुमान प्रमाण नहीं . है'- यह किस दर्शन का मत है?

A. चार्वाक B.जैन C.बौद्ध D. न्याय

2.13. 'धर्म और मोक्ष को कौन पुरुषार्थ नहीं मानते

A. योग B.वेदांत C. जैन D. चार्वाक

2.14 एकमात्र सुख ही मानव जीवन का लक्ष्य है।

A. चार्वाक B. वेदांत C. योग D. सांख्य

2.15. निम्नलिखित में कौन चार्वाक की विशेषता है

A. प्रत्यक्षवादी (positivist)

B. सुखवादी (Hedonist)

C.अनीश्वरवादी (Athiest)

D. उपर्युक्त सभी (All above)

2.16 निम्नलिखित में कौन जड़वादी (materialist) हैं

A. बौद्ध B.जैन C. चार्वाक D. मीमांसा

2.17 जगत की यंत्रवादी व्याख्या किस दर्शन में स्वीकृत है।

A. वेदांत B. योग C. सांख्य D. चार्वाक

2.18 यदृच्छावाद सिद्धांत के समर्थक है-

A. वैशेषिक B. योग C. चार्वाक D. जैन

2.19 'जगत भूत पदार्थों के मिलन का स्वाभाविक परिणाम है'। यह . स्वभाववाद सिद्धांत किस दर्शन से संबंधित है?

A.सांख्य B. चार्वाक C. बौद्ध D.न्याय

2.20 चार्वाक किसे भूत द्रव्य के रूप में स्वीकार नहीं करता?

A.आकाश B.जल C.अग्नि D. वायु

2.21 ' चार्वाक' के अनुसार भूत द्रव्य कितने हैं

A.एक B.दो C.तीन. D. चार

2.22. चेतना आत्मा का आगंतुक गुण है। यह मत किसका है?

A. न्याय B. बौद्ध C. जैन D.चार्वाक

2.23 ' देहात्मवाद ' का समर्थक है-

A.जैन B. चार्वाक C. बौद्ध D.न्याय

2.24 चैतन्य विशिष्ट देह ही आत्मा है- यह किसका मत है?

A. चार्वाक B.न्याय C.बौद्ध D.जैन

2.25 किसे सुखवादी दर्शन कहा जाता है

A. वेदांत B.बौद्ध C. सांख्य D.चार्वाक

2.26 'पुनर्जन्म मिथ्या है' – यह मत किस दर्शन का है।

A. न्याय B.बौद्ध C. चार्वाक D.सांख्य

2.27 ' कर्म सिद्धांत' किस दर्शन में स्वीकृत नहीं है।

A. न्याय B.चार्वाक C.बौद्ध D.सांख्य

2.28 चेतना शरीर का गुण है- यह मत किसका है?

A. वेदांत B. योग C. सांख्य D. चार्वाक

2.29 वेद में वर्णित सिद्धांत प्रामाणिक नहीं हैं – यह मत किसका है?

A. बौद्ध B. जैन C. चार्वाक D. उपर्युक्त सभी

2.30 निम्नलिखित में कौन दर्शन "शब्द" प्रमाण को नहीं मानते।

A.न्याय. B. मीमांसा C. चार्वाक D.वेदांत

2.31 चार्वाक दर्शन के प्रणेता हैं-

A. कपिल B.बृहस्पति C. पतंजलि D.गौतम

2.32 'जय राशि' कृत "तत्त्वोपप्लवसिंह" ग्रंथ किस दर्शन से संबंधित है?

A.बौद्ध B.जैन C.न्याय D.चार्वाक

अध्याय 3: बौद्ध दर्शन (Buddhism)

…….

3.1 बौद्ध दर्शन के संस्थापक हैं

A. गौतम B. गौतम बुद्ध C. पतंजलि D.वादरायण

3.2 'निर्वाण' का अर्थ है

A. बुझ जाना B. मिल जाना C. जान जाना D.एक हो जाना

3.3 आर्य सत्यों की संख्या कितनी है?

A. आठ B. छह C. चार D. दो

3.4 'सर्वं दुःखं, सर्वं क्षणिकं' यह मत किस दर्शन का है?

A. सांख्य B. योग C. बौद्ध D. जैन

3.5 प्रथम आर्य सत्य है-

A. दुख. B. दुख समुदय. C. दुःख निरोध. D. दुःख निरोध मार्ग

3.6 द्वितीय आर्य सत्य कहलाता है-

A. दुःख B. दुःख समुदय C. दुःख निरोध D. दुःखनिरोध मार्ग

3.7 'तृतीय आर्यसत्य' का संबंध किस आर्य सत्य से है?

A. दुःख B. दुःख समुदय C. दुःख निरोध D. दुःख निरोध मार्ग

3.8 दुःख निरोध मार्ग का वर्णन किस आर्य सत्य में किया गया है?

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D. चतुर्थ

3.9 'दुःख-निरोध-गामिनि-प्रतिपद' कौन सा आर्य सत्य है?

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D. चतुर्थ

3.10 अष्टांगिक मार्ग का संबंध किस आर्य सत्य से है?

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D. चतुर्थ

3.11 बौद्ध दर्शन का कारणता सिद्धांत किस आर्य सत्य से संबंधित है?

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D. चतुर्थ

3.12 प्रतीत्यसमुत्पाद का संबंध किस दर्शन से है?

A. जैन B. योग C. सांख्य D. बौद्ध

3.13 बौद्ध दर्शन के सिद्धांत 'प्रतीत्यसमुत्पाद' किस आर्य सत्य से संबंधित है

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D. चतुर्थ

3.14. कौन सा सिद्धांत बौद्ध मत में स्वीकृत नहीं है

A. आत्मवाद C. ईश्वरवाद

B. वेद प्रामाण्यवाद D.उपर्युक्त सभी

3.15. बौद्ध दर्शन में मुक्ति के लिए किस शब्द का प्रयोग प्रमुखता से किया जाता है

A . कैवल्य B . मोक्ष C . अपवर्ग D. निर्वाण

3.16 धर्म चक्र का संबंध किस आर्य सत्य से है?

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D. चतुर्थ

3.17 बौद्ध दर्शन में बंधन का कारण है

A. अज्ञान B.संस्कार C.जाति D. षडायतन

3.18 बौद्ध दर्शन के अनुसार सांसारिक सुखों के उपभोग की तीव्र इच्छा कहलाती है-

A. वेदना B. तृष्णा. C. उपादान. D. भव

3.19. बौद्ध दर्शन के अनुसार 'विज्ञान' का कारण है-

A. संस्कार B. नाम- रूप C. वेदना D. तृष्णा

3.20 द्वादश निदान का संबंध किस आर्य सत्य से है?

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D.चतुर्थ

3.21 बौद्ध दर्शन के द्वितीय आर्य सत्य के अनुसार जाति तथा जरा-मरण का संबंध है-

A. पिछले जन्म से B. वर्तमान जन्म से,

C. भविष्य के पुनर्जन्म से D. सभी से

3.22 बौद्धों के त्रिरत्न में कौन शामिल नहीं है

A. शील B.समाधि C.तपस्या D.प्रज्ञा

3.23 बौद्ध दर्शन में बंधन के कारण की व्याख्या मिल किस आर्य सत्य में है?

A. प्रथम B. द्वितीय C. तृतीय D. चतुर्थ

3.24 ' क्षणभंगवाद' या 'क्षणिकवाद' सिद्धांत किस दर्शन से संबंधित है?

A. बौद्ध B. जैन C. सांख्य D. योग

3.25 बौद्ध दर्शन में वर्णित 'सम्यक दृष्टि' और 'सम्यक संकल्प' को . परिगणित किया गया है?

A. शील B.समाधि C.प्रज्ञा D.उपर्युक्त सभी में

3.26 बौद्ध दर्शन के अनुसार समाधि की कितनी अवस्थाएं हैं

A. एक B. दो C. तीन D. चार

3.27 बुद्ध के आर्य सत्यों का यथार्थ ज्ञान कहलाता है-

A. सम्यक् दृष्टि B.सम्यक् वाक्

C. सम्यक् संकल्प. D.सम्यक् स्मृति

3.28 बौद्ध दर्शन में "ईमानदारीपूर्वक जीविकोपार्जन" कहलाता है-

A. सम्यक आजीव B.सम्यक कर्मान्त

C. सम्यक् स्मृति D.सम्यक् वाक्

3.29 " सर्वं क्षणिकं, सर्वं अनित्यम्"– किस दर्शन से संबंधित है

A. जैन. B. मीमांसा C. बौद्ध. D. सांख्य

3.30 'त्रिपटक' किस दार्शनिक के वचनों का संकलन है

A. महावीर B. बुद्ध C. पतंजलि D. शंकर

4. जैन दर्शन (Jaina Philosophy)

……

4.1 " तीर्थंकर " किस दर्शन से संबंधित है ?

A. बौद्ध B. जैन C. सांख्य D. योग

4.2 जैन परम्परा के अनुसार प्रथम तीर्थंकर थे-

A. आदिनाथ B. मल्लीनाथ C. ऋषभदेव D. महावीर

4.3 महावीर जैन परम्परा के कौन से तीर्थंकर है

A. प्रथम B. द्वितीय C.तेइसवें D. चौबीसवें

4.4 श्वेतांबर और दिगंबर किस दर्शन से संबंधित हैं

A. जैन B. योग C. बौद्ध D. सांख्य

4.5 अनेकांतवाद का सिद्धांत किस दर्शन से संबंधित है?

A. बौद्ध B. जैन C. मीमांसा D. न्याय

4.6 जैन दर्शन के अनुसार अपरोक्ष ज्ञान में किसे शामिल नहीं किया गया है

A. अवधि B. मनः-पर्याय C. केवल D. श्रुत

4.7 जैन दर्शन के अनुसार परोक्ष ज्ञान की संख्या है

A.एक B. दो C.तीन D. चार

4.8 जैन दर्शन के अनुसार 'मति' और 'श्रुत' कहलाते हैं

A. प्रत्यक्ष ज्ञान B.परोक्ष ज्ञान C. दोनो D.दोनो में कोई नहीं

4.9 जैन दर्शन के अनुसार 'केवल ज्ञान' है

A. शुद्ध सर्वज्ञता B. मन के विचारों का ज्ञान

C. इन्द्रियजन्य ज्ञान D. भ्रमात्मक ज्ञान

4.10 जैन मत में 'ध्रुव', 'उत्पाद' और 'व्यय' किसका लक्षण है?

A. असत् का B.सत् का C.बंधन का D.मोक्ष का

4.11 द्रव्य की परिभाषा "गुण पर्यायवत् द्रव्यम्" किस दर्शन से संबंधित है .

A. बौद्ध B.जैन C. वैशेषिक D.न्याय

4.12 स्यादवाद सिद्धांत का प्रतिपादन किस दर्शन में हुआ

A.बौद्ध B.जैन C.चार्वाक D.योग

4.13 'सापेक्षतावाद' किस दर्शन की विशेषता है ?

A. जैन B. बौद्ध C. मीमांसा D. योग

4.14 'सप्त भंगी नय' का प्रवर्त्तन किस दर्शन में किया गया है

A. वेदांत. B. मीमांसा. C.योग D.जैन।

4.15 वस्तुओं के अनेक घर्म होते हैं (अनंत धर्मात्मकं वस्तु)-

इसके आलोक में किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है

A. एकत्ववाद B.द्वैतवाद,

C. अनेकान्तवाद D.अद्वैतवाद

4.16 वस्तुओं को स्थिर रखने वाला सहायक द्रव्य 'अधर्म' कहलाता है।
. यह मत किसका है?

A. चार्वाक B.बौद्ध C.जैन D.योग

4.17. जैन मत में निम्नलिखित में किसे अस्तिकाय में नहीं गिना जाता

A.जीव. B.पुद्गल C.काल D.आकाश

4.18. साधारण मनुष्यों को वस्तुओं का आंशिक ज्ञान होता है। जैन मत
. में उसे क्या कहते हैं

A. नय B. स्कंध C. केवल D. भ्रम

4.19 चेतना जीव का मूल लक्षण है (चेतना लक्षणो जीवः) – यह मत
. किसका है?

A. न्याय B. वैशेषिक C.चार्वाक D. जैन

4.20 जैन मत में द्रव्यों में परिणाम और क्रियाशीलता की व्याख्या
का आधार क्या है ?

A. पुद्गल B. काल C. जीव D. ईश्वर

4. 21 जीव 'अनंत चतुष्टय' से युक्त है – यह मत किसका है

A. बौद्ध B. जैन C. न्याय D. योग

4.22. जीव न अणु रूप है न विभू बल्कि शरीर परिणामी है-

यह मत किस दर्शन से संबंधित है?

A. जैन B. बौद्ध C. सांख्य D. वेदांत

4.23 द्रव्य का अस्तिकाय और अनस्तिकाय में विभाजन किस दर्शन में किया गया?

A. चार्वाक B.सांख्य C. जैन D.बौद्ध

4.24 जैन दर्शन के 'पंचव्रत' में निम्नलिखित में किसे नहीं गिना जाता

A. अहिंसा B. सत्य C. ब्रह्मचर्य D. दर्शन

4.25 निम्नलिखित में कौन जैन दर्शन का "त्रिरत्न" नहीं है

A. सम्यक् दर्शन B. सम्यक् ज्ञान

C. सम्यक् चरित्र D. सम्यक् संकल्प

4.26 आश्रव, संवर और निर्जरा किस दर्शन से संबंधित है?

A.जैन B. बौद्ध C. सांख्य D.योग

4.27 जैन मत में 'कर्म पुद्गलों का जीव की ओर प्रवाह' कहलाता है

A. आश्रव B. संवर. C. निर्जरा D.बंध

4.28 जैन मत में त्रिरत्न का अर्थ है

A. तीन अंतिम तीर्थंकर B. तीन प्रकार के जीव

B. तीन प्रकार की साधना(मोक्ष मार्ग) D. प्रकृति के तीन गुण

4.29 "चींटी और हाथी दोनो का जीव क्रमशः उनके शरीर के बराबर होता है।"- यह मत किस दर्शन का है?

A. जैन B.मीमांसा C.बौद्ध D.न्याय

4.30 जैन दर्शन में क्रोध, लोभ, मान और माया को किस वर्ग में रखा गया है?

A . कषाय B. प्रमाद C. राग D.संवर

अध्याय 5: न्याय दर्शन

.....

5.1 न्याय दर्शन के संस्थापक हैं

A. कपिल B. कणाद. C.पतंजलि D.गौतम

5.2 'न्याय सूत्र' की रचना किसने की?

A. व्यास B.गौतम C. उदयन D.वाचस्पति

5.3 निम्नलिखित में कौन न्याय मत के समर्थक नहीं हैं

A . उदयन B. उद्योतकर C. गौतम D. कुमारिल

5.4 न्याय के अनुसार प्रमाणों की संख्या है-

A. एक B. दो C. तीन D.चार

5.5 निम्नलिखित में कौन सा प्रमाण न्याय मत में स्वीकृत नहीं है?

A. प्रत्यक्ष B. अनुमान C. उपमान D. अनुप्लब्धि

5.6 न्याय के अनुसार 'प्रमा' का अर्थ है-

A.यथार्थ ज्ञान B. भ्रम C. अयथार्थ ज्ञान D. स्मृति

5.7 भारतीय दर्शन में आन्वीक्षिकी विद्या किससे संबंधित है

A. न्याय . B.जैन C.वेदान्त D. चार्वाक

5.8 न्याय मत में बुद्धि उप्लब्धि और प्रत्यय किसका बोधक है

A. ज्ञान B. व्यवहार C. मोक्ष D.प्रमाण

5.9 न्याय के अनुसार यथार्थ ज्ञान का साधन कहलाता है-

A. प्रमा B. प्रमाण C. प्रामाण्य. D. प्रमेय

5.10. न्याय दर्शन में 'प्रमेय' का अर्थ है

A. ज्ञान. B. ज्ञाता C.ज्ञान का विषय D.ज्ञान का साधन

5.11 निम्नलिखित में कौन ज्ञान प्राप्ति का साक्षात् साधन है

A. प्रत्यक्ष B. अनुमान C. उपमान D. शब्द

5.12 'प्रमाणों के द्वारा अर्थ का परीक्षण ' कहलाता है-

A. न्याय B. मुक्ति C. दर्शन D. उपर्युक्त सभी

5.13 न्याय के अनुसार 'अप्रमा' का अर्थ है -

A. सही ज्ञान **B. सम्यक् ज्ञान**

C. अयथार्थ ज्ञान. **D. आत्म ज्ञान**

5.14 निम्नलिखित में कौन सा कथन न्याय दर्शन के संदर्भ में सही है

A. न्याय यथार्थ वादी है

B. न्याय वस्तुवादी है

C. न्याय ईश्वरवादी है

D. उपर्युक्त सभी

5.15 इन्द्रिय-अर्थ-सन्निकर्ष से उत्पन्न ज्ञान है

A. प्रत्यक्ष **B. अनुमान** **C. उपमान** **D. शब्द**

5.16 गाय के सादृश्य के आधार पर नीलगाय का ज्ञान कहलाता है

A. प्रत्यक्ष **B. अनुमान** **C. शब्द.** **D. उपमान**

5.17 न्याय मत में 'लिंग परामर्श जन्य ज्ञान कहलाता है-

A.शब्द **B. उपमिति** **C. अनुमिति** **D.प्रत्यक्ष**

5.18 न्याय के अनुसार 'साक्षात्कारित्व' किस प्रमाण का लक्षण है

A. प्रत्यक्ष **B.अनुमान** **C.शब्द** **D.पमानन**

5.19जहाँ जहाँ धुआं है वहाँ वहाँ आग है-'यह 'साहचर्य नियम' कहलाता है

A. व्याप्ति B. पक्षधर्मता C.लिंग परामर्श D. उपमिति

5.20 न्याय दर्शन के अनुसार भ्रम की व्याख्या किस प्रकार के प्रत्यक्ष द्वारा होती है?

A. सामान्य लक्षण प्रत्यक्ष B.ज्ञान लक्षण प्रत्यक्ष

B. योगज प्रत्यक्ष. D. उपर्युक्त सभी

5.21 विभिन्न गायों को देखकर गाय की जाति (गोत्व) का ज्ञान किस प्रकार का प्रत्यक्ष है

A. सामान्य लक्षण प्रत्यक्ष B. ज्ञान लक्षण प्रत्यक्ष

C. योगज प्रत्यक्ष. D. इनमें से कोई नहीं

5.22 न्याय के ज्ञान की अवधारणा के संबंध में कौन सा कथन सत्य है

A. ज्ञान सविषयक होता है

B. ज्ञान सप्रकारक होता है

C. ज्ञान ज्ञेय वस्तु का प्रकाशक होता है।

D. उपर्युक्त सभी

5.23 आप्त पुरुषों से प्राप्त ज्ञान किस प्रकार का प्रमाण है

A. शब्द B. उपमान C. अनुसार D. प्रत्यक्ष

5.24 न्याय के अनुसार स्वार्थानुमान के कितने अवयव हैं

A. पाँच B. चार C. तीन D. दो

5.25 न्याय परार्थानुमान के कितने अवयव मानते हैं

A. पाँच B. चार C. तीन D. दो

5.26 'पर्वत पर आग है,क्योंकि पर्वत पर धुआं है।'

इस अनुमान में 'पर्वत' है-

A. पक्ष B. साध्य C. हेतु D. प्रतिज्ञा

5.27 बादल को देख कर बर्षा का अनुमान किस प्रकार का अनुमान है?

A. पूर्ववत् B. शेषवत् C. सामान्यतोदृष्ट D. कोइ नहीं

5.28 निम्नलिखित में कौन अक्षपाद दर्शन कहलाता है

A. मीमांसा B. न्याय. C. योग D. सांख्य

5.29 न्याय मतानुसार निम्नलिखित में कौन अप्रमा है

A. संशय. B. भ्रम C. तर्क. D. उपर्युक्त सभी

5.30 न्याय दर्शन कितने प्रकार का सन्निकर्ष स्वीकार किया गया है

A. तीन. B. चार. C. पाँच D. छः

5.31 "पर्वतो वह्निमान धूमात" अनुमान के इस उदाहरण में "पर्वत" है

A. पक्ष. B. साध्य C.हेतु D. उपनय

5.32 पर्वत पर आग है क्योंकि वहां धुआं है। इस अनुमान में

'आग' कहलाता है

A. पक्ष. B. साध्य. C. हेतु D. व्याप्ति

5.33 न्याय के अनुसार अनुमान का मनोवैज्ञानिक आधार है

A. पक्षधर्मता B. व्याप्ति. C. दोनो. D. दोनो मे कोई नहीं

5.34 न्याय के अनुसार अनुमान का तार्किक आधार है

A. पक्षधर्मता B. व्याप्ति C. हेतु D. साध्य

5. 35 'ये वही राम हैं जिसने विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा की थी' –

यह किस प्रकार के ज्ञान का उदाहरण है

A. प्रत्यभिज्ञा B. अलौकिक प्रत्यक्ष C.अनुमान D.उपमान

5.36 न्याय के अनुसार कोई भी वाक्य तभी सार्थक होता है जिसमें

चार शर्तों का पालन किया जाए। इन शर्तों के किसे गिना जाता है

A. आकांक्षा B. योग्यता C. तात्पर्य D. उपर्युक्त सभी

5.37 हेत्वाभास है-

A. अनुमान का दोष B. अनुमान का प्रकार

C. अनुमान का अवयव. D. कोई नहीं

5.38 न्याय के अनुसार निम्नलिखित में कौन हेत्वाभास का प्रकार है

A. सव्यभिचार B. विरुद्ध C. असिद्ध D. उपर्युक्त सभी

5.39 जब हेतु साध्य को प्रमाणित करने के बजाए उसके विरोधी को

ही सिद्ध कर दे तो वैसे हेत्वाभास को कहते हैं-

A. असिद्ध. B. विरुद्ध C. बाधित. D. सव्यभिचार

5.40 न्याय के अनुसार निम्नलिखित में कौन 'संज्ञा-संज्ञी-संबंधज्ञान' है?

A. अनुमान. B.उपमान C. प्रत्यक्ष D. शब्द

5.41 "गो सदृशो गवय"-- यह किस प्रकार के प्रमाण का उदाहरण है?

A. उपमान B.शब्द C.अनुमान D.प्रत्यक्ष

अध्याय 6: वैशेषिक दर्शन

……

6.1 वैशेषिक निम्नलिखित में किसके साथ मिलकर समान तंत्र का निर्माण करते है-

A. न्याय B. योग C. सांख्य D. मीमांसा

6.2 'वैशेषिक सूत्र' के लेखक हैं

A. कपिल. B. कणाद C. गौतम D. पतंजलि

6.3 वैशेषिक दर्शन के पर्वत्तक हैं

A. कपिल. B. गौतम C. व्यास D. कणाद

6.4 'बैशेषिक' दर्शन नाम किस पदार्थ की स्वीकृति के कारण पड़ा है

A. सामान्य B. विशेष C.विशेष D. द्रव्य

6.5 वैशेषिक दर्शन के अनुसार पदार्थों की संख्या है

A. सात. B. छह C. पाँच D. चार

6.7 'पदार्थ धर्म संग्रह' किसकी रचना है

A. प्रशस्तपाद. B. गौडपाद C. गोविन्दपाद D. धर्मपाद

6.8 'अस्तित्वं ज्ञेयत्वं अभिधेयत्वं' -किसकी परिभाषा है?

A. ज्ञान B. पदार्थ C. नीति. D. धर्म

6.9 'परमाणु कारणवाद' सिद्धांत किस दर्शन की देन है

A. मीमांसा B. वैशेषिक C. सांख्य. D. वेदांत

6.10 वैशेषिक मत में 'भाव पदार्थ' हैं-

A. छह B. सात C. नौ D. चौबीस

6.11 'क्रियागुणवत् समवायी कारणं द्रव्यम्' – द्रव्य की यह परिभाषा किस दर्शन में दी गई है?

A. बौद्ध B. जैन. C. वैशेषिक D. मीमांसा

6.12 वैशेषिक दर्शन में कितने प्रकार के द्रव्य है?

A. छह. B. सात C. नौ D. चौबीस

6.13 भौतिक पदार्थों की उत्पत्ति परमाणुओं के संयोग से होती है -यह मत किसका है?

A. बौद्ध B. वैशेषिक C. मीमांसा D. वेदांत

6.14 वैशेषिक मत में निम्नलिखित में कौन द्रव्य नित्य परमाणु रूप है

A.पृथ्वी B. जल एवं तेज. C. वायु D. उपर्युक्त सभी

6.15 वैशेषिक मत में निम्नलिखित में कौन परमाणु रूप नहीं है

A.वायु B. आकाश C. जल. D. अग्नि

6.16 वैशेषिक मत में कौन द्रव्य एक, नित्य, विभू और व्यापक है

A. आकाश B. अग्नि. C. पृथ्वी. D. वायु

6.17 पंच महाभूत की अवधारणा में कौन नहीं है

A. पृथ्वी B. जल. C. वायु D. काल

6.18 वैशेषिकों के अनुसार कौन द्रव्य अनेक और अणुरूप है

A. पृथ्वी और जल B.तेज और वायु

C. मन D. उपर्युक्त सभी

6.19 वैशेषिक दर्शन के सन्दर्भ में कौन सा कथन सत्य है

A. पृथ्वी जल वायु तेज आकाश पंच महाभूत हैं

B. पृथ्वी जल तेज वायु और मन अणुरूप हैं

C. आकाश, दिक् ,काल और आत्मा विभू और नित्य है।

D. उपर्युक्त सभी सत्य हैं

6.20 वैशेषिक दर्शन के सन्दर्भ में कौन सा कथन सत्य है

A. परमाणु मन और आत्मा अनेक है

B. आकाश दिक् काल और आत्मा एक एक है

C. आत्मा अनेक,नित्य स्वतंत्र और विभू है।

D. उपर्युक्त सभी

6.21. वैशेषिक के अनुसार कुल गुण की संख्या है

A पाँच B सात C चौबीस D नौ

6.22 निम्नलिखित में कौन सा कथन वैशेषिक दर्शन के संदर्भ में सत्य है

A. पदार्थ सात हैं और द्रव्य नौ हैं

B. गुण चौबीस हैं और कर्म पाँच

C. महाभूत पाँच हैं और अभाव चार प्रकार के हैं

D. उपर्युक्त सभी

6.23 वैशेषिक मतानुसार समवाय के बारे में असत्य है

A. नित्य संबंध है

B. अनित्य संबंध है

C. स्वतंत्र पदार्थ है

D. क्रिया और गुण को द्रव्य से संबंधित करता है

6.24 ‘ बंदर पेड़ पर है’- इसमें और पेड़ के बीच किस प्रकार का संबंध है

A. समवाय B. संयोग C. स्वरूप D. इनमें से कोई नहीं

6.25 वैशेषिक के अनुसार ‘संयोग’ है

A. द्रव्य B. गुण C. कर्म C. सामान्य

6.26 समवाय संबंध निम्नलिखित में किसमें है?

A. व्यक्ति-जाति B. द्रव्य -गुण

C. कारण-कार्य. D. उपर्युक्त सभी में

6.27 वैशेषिक में सातवें पदार्थ के रूप में ‘अभाव’ को किसने जोड़ा?

A. प्रशस्तपाद B. उदयन C. उद्योतकर D. कणाद

6.28 वैशेषिक के अनुसार प्रमाण की संख्या है

A.एक B. दो. C. तीन D. चार

6.29 उत्पत्ति के पूर्व कारण में कार्य का अभाव किसका उदाहरण है

A. प्रागाभाव. B. प्रध्वंसाभाव

C. अत्यंताभाव D. अन्योन्याभाव

6.30 ‘ कौआ कोयल नहीं है ‘- यह किस अभाव का उदाहरण है

A. प्रागाभाव,. B. प्रध्वंसाभाव

C. अत्यंताभाव D.अन्योन्याभाव

6.31 ' वंध्या के पुत्र का अभाव' किस प्रकार के अभाव को दर्शाता है

C. A. प्रागाभाव B.प्रध्वंसाभाव

C. अत्यंताभाव D. अन्योन्याभाव

6.32 कौन सा अभाव अनादि और अनंत है

A.अत्यंताभाव B. अन्योन्याभाव

C. दोनो D. दोनो में कोई नहीं

6.33 किस अभाव की सत्ता नहीं मानने पर बस्तुओं के उत्पत्ति की व्याख्या असंभव हो जाएगी

A.प्रागाभाव B. प्रध्वंसाभाव

C. अन्योन्याभाव D. अत्यंताभाव

6.34 दो बस्तुओं में भेद करने के लिए किस प्रकार के अभाव को मानना अनिवार्य है

A. प्रागाभाव B. प्रध्वंसाभाव

C. अन्योन्याभाव D. अत्यंताभाव

6.35 बस्तुओं के विनाश की व्याख्या के लिए किस अभाव को मानना तार्किक अनिवार्यता है?

A. प्रागाभाव. B. प्रध्वंसाभाव

C. अन्योन्याभाव D. अत्यंताभाव

6.36 चेतना आत्मा का आगंतुक गुण है, स्वभाव नहीं। यह मत किसका है

A. वेदांत. B. सांख्य C.योग D. वैशेषिक

6.37 प्रत्येक घट में घटत्व निहित है। इसमें 'घटत्व ' कहलाता है

A. बिशेष B. सामान्य(जाति) C . द्रव्य D. गुण

6.38 प्रत्येक मनुष्य में ' मनुष्यत्व' निहित है। यहाँ दोनो किस से जुड़े होते है?

A. संयोग B. समवाय C. दोनो D. किसी से नहीं

6.39 'नित्यं एकं अनेकानुगतं सामान्यम्' - सामान्य की यह परिभाषा किस दर्शन में दी गई है

A. न्याय-वैशेषिक B. सांख्य C. सांख्य D.किसी में नहीं

6.40 'अदृष्ट' की अवधारणा किस दर्शन से संबंधित है

A. न्याय-वैशेषिक B मीमांसा C. वेदांत D. बौद्ध

अध्याय 7 : सांख्य दर्शन

7.1 'दुःखत्रयाभिघात् जिज्ञासा' से किस दर्शन का आरम्भ किया गया है?

A. सांख्य B. योग C. मीमांसा D. वेदान्त

7.2 सांख्य दर्शन के प्रवर्त्तक हैं

A. जैमिनी B.कपिल C.कणाद D. गौतम

7.3 सांख्य सूत्र किसकी रचना है?

A. कपिल। B. कणाद C.गौतम D. शंकर

7.4 सांख्य दर्शन निम्नलिखित में किसका समर्थक है

A.द्वैतवाद B.विकासवाद

C. सत्कार्यवाद D.उपर्युक्त सभी का

7.5 'सांख्यकारिका' किसकी रचना है?

A.ईश्वरकृष्ण B.विज्ञानभिक्षु C.कपिल D. वाचस्पति

7.6 कारणता के संबंध में 'सत्कार्यवाद' के समर्थक हैं

A. सांख्य B.बौद्ध C. न्याय D.चार्वाक

7.7 कार्य उत्पत्ति के पूर्व अपने कारण में निहित होता है- यह मत है

A. आरम्भवाद B.अजातिवाद

C. यदृच्छावाद D. सत्कार्यवाद

7.8 ' कारण अव्यक्त कार्य है और कार्य व्यक्त कारण है' – यह मत है

A.सत्कार्यवाद B.असत्कार्यवाद

C. आरम्भवाद D.अजातिवाद

7.9 शक्त कारण से ही शक्त कार्य उत्पन्न हो सकता है- यह तर्क किसके समर्थन में दिया जाता है

A. असत्कार्यवाद B. सत्कार्यवाद

C. आरम्भवाद D. अजातिवाद

7.10 सांख्य में कुल कितने तत्वों को स्वीकार किया गया है

A.दस B.बीस C.पच्चीस D. तीस

7.11 यह जगत प्रकृति और पुरुष का परिणाम है – यह मत किसका है?

A. सांख्य B. न्याय C. बौद्ध D. चार्वाक

7.12 सत्व रजस् और तमस् किसके णुण हैं?

A. पुरुष B. ईश्वर C . प्रकृति D. सभी के

7.13 सांख्य के अनुसार ' पुरुष' है

A. चेतन B. निष्क्रिय C.द्रष्टा D. उपर्युक्त सभी

7.14 सांख्य मतानुसार 'प्रकृति' है

A. जड़ B. सक्रिय C. कर्ता D. उपर्युक्त सभी

7.15 सांख्य के अनुसार 'गुण- क्षोभ' का परिणाम है

A.विरूप परिवर्तन B. महत् की उत्पत्ति

C. सृष्टि का आरम्भ D. ऊपर्युक्त सभी

7.16 सांख्य मत में 'गुण- क्षोभ' का कारण है

A. प्रकृति -पुरुष सानिध्य B पुरुष की निष्क्रियता

C ईश्वर D इनमें से कोई नहीं

7.17 सांख्य मत में 'गुणों की साम्यावस्था' कहलाती है

A. पुरुष B. प्रकृति C. महत् D. अहंकार

7.18 निम्नलिखित में कौन 'सत्वगुण' की विशेषता नहीं है

A. ज्ञान का प्रतीक B.सक्रियता

C. प्रकाशपूर्ण D. सुखात्मक अनुभूति का कारण

7.19 निम्नलिखित में कौन रजस् गुण की विशेषता है

A. क्रियाशीलता B.सत्व,तमस को सक्रिय बनाना

C. दुखात्मक अनुभूतियों का कारण D. उपर्युक्त सभी

7.20 सांख्य मत में निम्न में से कौन तमस् गुण की विशेषता नहीं है-

A. जड़ता B. आलस्य- निष्क्रियता

C. ज्ञान का बाधक D. सक्रियता

7.21 सांख्य के विकासवाद सिद्धांत का आधार है

A.सत्कार्यवाद B.असत्कार्यवाद C. आरम्भवाद D.विवर्तवाद

7.22 विकासवाद का प्रथम परिणाम है

A. महत् (बुद्धि) B. अहमकार C. मन D.तन्मात्रा

7.23 मन, ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों की उत्पत्ति का कारण है-

A. सात्विक अहंकार B. तामस अहंकार

C. राजस अहंकार D.उपर्युक्त सभी

7.24 तन्मात्राओं से किसकी उत्पत्ति होती है

A. इन्द्रियां B.मन C.महाभूत D. उपर्युक्त सभी

7.25 सांख्य मत में तन्मात्राओं की संख्या है-

A. पच्चीस B.दस C.पाँच D. दो

7.26 प्रकृति का दूसरा विकार है-

A.बुद्धि B.मन C.अहंकार D.इन्द्रिय

7.27 सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्टि का उद्देश्य है

A. पुरुष का भोग B. पुरुष का मोक्ष

C. दोनो। D. दोनो में कोई नहीं

7.28 सांख्य मत में कौन ज्ञानेन्द्रिय नहीं है

A. आँख B. मुंह C. नाक D. कान

7.29 सांख्य मतानुसार कौन कर्मेन्द्रियाँ नहीं है

A. जीभ B. पैर C. हाथ D . लिंग

7.30 सांख्य मत में मुक्ति का कारण 'ज्ञान' है। यहां 'ज्ञान' का अर्थ है-

A. आत्मा का अभेद ज्ञान B. प्रकृति-पुरुष विभेदक ज्ञान

. C. ईश्वर का ज्ञान उपर्युक्त D. उपर्युक्त सभी

अध्याय 8: योग दर्शन

8.1 योग दर्शन के संस्थापक हैं

A. कपिल B.कणाद C.पतंजलि D. व्यास

8.2 पतंजलि के अनुसार 'योग' की परिभाषा है –

A.चित्त वृत्ति निरोध B.समत्व

C आत्मा- परमात्मा का मिलन D कर्मो में कुशलता

8.3 योग दर्शन के संबंध में कौन सा कथन सत्य है

A. सांख्य और योग समान तंत्र हैं allied system

B. बंधन का कारण अज्ञान है

C. मुक्ति अष्टांग मार्ग के अनुसरण से होती है

D. उपर्युक्त सभी

8.4 योग दर्शन के संबंध में कौन सा कथन असत्य है

A. सांख्यदर्शन के सैद्धांतिक पक्ष का व्यावहारिक प्रयोग योग है।

B.योग अनीश्वरवादी दर्शन है

C. सांख्य दर्शन में पच्चीस और योग में छब्बीस तत्व हैं

D. विवेक ज्ञान ही मुक्ति का साधन है।

8.5 'योग दर्शन' के अनुसार चित्त है

A. मन B.बुद्धि C. अहंकार D. उपर्युक्त सभी

8.6 योग दर्शन में 'योग' का अभिप्राय है

A.राजयोग B.ज्ञानयोग C. तंत्र योग D. मंत्र योग

8.7 योग दर्शन के अनुसार चित्त भूमियाँ हैं

A. तीन B. चार C. पाँच D.छह

8.8 निम्नलिखित में कौन सी अवस्था योग के लिए सहायक है

A. एकाग्र B. निरुद्ध C. दोनो D. दोनों में कोई नहीं

8.9 अष्टांग योग में कौन शामिल नहीं है

A.यम B.आसन C. प्राणायाम D.अविद्या

8.10 निम्नलिखित में कौन क्रियायोग में शामिल है

A.तप B.स्वाध्याय C. ईश्वरप्रणिधान D.उपर्युक्त सभी

8.11 योग दर्शन के अनुसार 'संयम' है।

A.धारणा B.ध्यान C.समाधि D.उपर्युक्त सभी

8.12 योग के अनुसार किसे सार्वभौम नैतिक नियम कहा गया है

A. यम B. नियम C.धारणा D.उपर्युक्त सभी

8.13 योग दर्शन में किसे नियम में शामिल नहीं किया गया है

A.सत्य B.शौच C. संतोष D. स्वाध्याय

8.14 'ईश्वर-प्रणिधान' है

A. यम B.नियम C.समाधि D.धारणा

8.15 योग के अनुसार 'शीत,उष्ण आदि द्वंद को सहन करना' कहलाता है

A.शौच B. तपस् C. संतोष D. स्तेय

8.16 योग में किसे व्यक्तिगत (individual) अनुशासन माना जाता है

A.यम B.नियम C. दोनो D. दोनो में कोई नहीं

8.17 योग मत में "सभी प्रकार के चोरी का अभाव" कहलाता है

A. अपरिग्रह B. अस्तेय C. अहिंसा D. त्याग

8.18 स्थिर होकर सुखपूर्वक स्थित होना कहलाता है

A . धारणा B. ध्यान C. आसन D. प्रत्याहार

8.19 योग के अनुसार निम्नलिखित में कौन शरीर का संयम है

A. यम B.नियम C. आसन D. प्राणायाम

8.20 बाह्य और आभ्यंतर इन्द्रियों के संयम की क्रिया है

A.यम B.आसन C. प्राणायाम D. इनमें से कोई नहीं

8.21 निम्नलिखित में कौन प्राणायाम की प्रक्रिया है

A.पूरक B.कुम्भक C. रेचक D. उपर्युक्त सभी

8.22 योग दर्शन में 'रेचक' है

A.यम B.नियम C.आसन D . प्राणायाम

8.23 श्वास को बाहर निकालना कहलाता है

A.पूरक B. कुंभक C. रेचक D.शीतक

8.24 श्वास को भीतर रोकने की क्रिया कहलाती है

A.पूरक B.कुम्भक C. रेचक D.योजक

8.25 श्वास को भीतर खीचना किस प्रकार का प्राणायाम है

A. पूरक B. कुम्भक C. रेचक D. उपर्युक्त सभी

8.26 किसी देश विशेष में 'चित्त को लगाना' कहलाता है

A. धारणा B. समाधि C. प्रत्याहार D. नियम

8.27 योग मत में 'बहिर्मुखी इन्द्रियों को बिषयों से उदासीन कर अंतर्मुखी बनाना' है

A.धारणा B.ध्यान C.प्रत्याहार D. समाधि

8.28 ध्येय वस्तु के 'ज्ञान की एकतानता' कहलाती है

A.धारणा B.ध्यान C.प्रत्याहार D. प्राणायाम

8.29 योग के अनुसार ' ध्येय वस्तु में चित्त की विक्षेप रहित एकाग्रता' कहलाती है

A. धारणा B.ध्यान C.समाधि D. यम

8.30 योग दर्शन में सम्प्रज्ञात समाधि के कितने प्रकार है

A. दो B.तीन C.चार D.पाँच

8.31 समाधि की वह अवस्था जब 'ध्याता' और 'ध्यान', "ध्येयाकार" हो जाते हैं और ध्येय का ज्ञान बना रहता है, कहलाती है

A.सम्प्रज्ञात समाधि B. असंप्रज्ञात समाधि

C. दोनो D. इनमें से कोई नहीं

8.32 जिस समय ध्याता, ध्यान और ध्येय की त्रिपुटी विलुप्त हो जाती है और एक अखंड चैतन्य ही शेष रहता है- समाधि की यह अवस्था कहलाती है

A. सानंद समाधि B. सास्मित समाधि

C. सम्प्रज्ञात समाधि D. असम्प्रज्ञात समाधि

8.33 समाधि की वह रूप जिसमें स्थूल विषय पर ध्यान लगाया जाता है, कहलाता है-

A. सवितर्क समाधि **B. सविचार समाधि**

C. सानंद समाधि **D. सस्मित समाधि**

8.34 जिस समाधि में ध्यान सूक्ष्म विषय या तन्मात्रा पर लगाया जाता है, उसे कहते हैं-

A. सवितर्क समाधि **B. सविचार समाधि**

C. सानंद समाधि **D.सस्मित समाधि**

8.35. समाधि की जिस अवस्था में ध्यान का विषय ग्यारह इन्द्रियाँ होती हैं, उसे कहते हैं-

A. सवितर्क समाधि **B.सविचार समाधि**

C. सानंद समाधि **D. सस्मित समाधि**

8.36 समाधि की अवस्था जब ध्यान का विषय अहंकार हो,कहलाती हैं

A. सवितर्क समाधि **B. सविचार समाधि**

C. सानंद समाधि **D.सस्मित समाधि**

8.36 समाधि की वह अवस्था जहाँ ध्यान का विषय लुप्त हो जाता है, कहलाती है-

A.असंप्रज्ञात समाधि,. B. निर्बीज समाधि,

C. निरुद्ध चित्त या मोक्ष D.उपर्युक्त सभी

8.37 योग से प्राप्त सिद्धियों कितनी हैं?

A .नौ B. आठ C. सात D. छह

8.39 योग दर्शन के अनुसार पंच क्लेश हैं

A. अविद्या- अस्मिता B. राग-द्वेश

B. अभिनिवेश D. उपर्युक्त सभी

8.40 योग दर्शन में प्रतिपादित चित्त भूमियों के संबंध में निम्नलिखित में कौन सही सुमेलित है

A क्षिप्त -चित्त में रजोगुण का प्रभाव

B मूढ - चित्त में तमोगुण का प्रभाव

C एकाग्र – चित्त में सत्वगुण का प्रभाव

D उपर्युक्त सभी

8.41. निम्नलिखित में कौन योग का अंतरंग साधन है

A.धारणा B. ध्यान

C. समाधि D . उपर्युक्त सभी

8.42.निम्नलिखित में कौन योग का बहिरंग साधन है

A. यम-नियम B.आसन-प्राणायाम

C प्रत्याहार D उपर्युक्त सभी

अध्याय 9: मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन

(Chapter 9 : Mimamsa and Vedanta philosophy)

……..

9.1 'उत्तर मीमांसा' का दूसरा नाम है (Another name of 'Uttara Mimamsa' is) -

A . वेदांत (Vedanta) B .योग (Yoga)

C. धर्म (Dharma) D .उपर्युक्त सभी (All above)

9.2 'ब्रह्म सूत्र' किसकी रचना है ('Brahamn sutra' is written by) -

A वादरायण (Vadarayana) B वाचस्पति (Vacaspati)

C वातस्ययन (Vatasyayana) D गौतम (Gautama)

9.3 वेदांत दर्शन का आधार 'प्रस्थानत्रय' है। इसमें शामिल है-

A उपनिषद् (Upanisads) B ब्रह्म सूत्र (Brahaman Sutra)

C गीता The Gita) D उपर्युक्त सभी (All above)

9.4 अद्वैत वेदांत के प्रवर्त्तक हैं (The founder of Advaita Vedanta is) -

A शंकर (Samkara) B रामानुज (Ramanuja)

C मध्व (Madva) D गौतम (Gautama)

9.5 "ब्रह्म सत्यं जगत मिथ्या जीवो ब्रह्मैव ना परः"- किस दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है

A. अद्वैत B द्वैत C. विशिष्टाद्वैत D. उपर्युक्त सQ

9.6 शंकर का जगत संबंधी विचार कहलाता है

A. ब्रह्म-परिणामवाद B. ब्रह्म- विवर्तवाद

C. प्रकृति-परिणामवाद D. परमाणु-कारणवाद

9.7 जीव और ब्रह्म में अभेद संबंध है। यह मत किसका है?

A. शंकर B.रामानुज C.मध्व D. बल्लभ

9.8 शंकर के 'माया' के संबंध में कौन सा कथन सत्य है

A.माया भ्रम है।

B.माया अनादि पर सान्त है।

C. माया अनिर्वचनीय है।

D.उपर्युक्त सभी

9.9 शंकर द्वारा 'ब्रह्म सूत्र' पर भाष्य है

A. श्री भाष्य B. शारीरक भाष्य C. अणुभाष्य D.पूर्णप्राज्ञ भाष्य

9.10 रामानुज ने 'ब्रह्म सूत्र' पर किस भाष्य की रचना की

A. श्री भाष्य B. शारीरक भाष्य C. अणुभाष्य D.पूर्णप्राज्ञ भाष्य

9.11 शंकर के अनुसार जगत की सत्ता है

A.पारमार्थिक B.व्यावहारिक C. दोनों D. दोनो में कोई नहीं।

9.12 " त्रिकाल अबाधित सत्" सत् की यह परिभाषा किसकी है

A. वेदांत B. बौद्ध C. जैन D. उपर्युक्त मे कोई नहीं

9.13 ब्रह्म सजातीय, विजातीय और स्वगत भेद से रहित सत्ता है।- यह मत किसका है

A.रामानुज B.शंकर C.कपिल D. कणाद

9.14 ब्रह्म स्वगत भेद युक्त सत्ता है। यह मत है

A. शंकर B.रामानुज C.दोनो D. दोनो में कोई नहीं

9.15 किस दर्शन के अनुसार 'ब्रह्म निर्गुण, निर्विशेष निराकार सत्ता है।

A. द्वैत B. अद्वैत C.विशिष्टाद्वैत D.उपर्युक्त सभी

9.16 आत्मा ही ब्रह्म है- यह मत किसका है

A.शंकर B. रामानुज C.मध्व D.इनमे किसी का नहीं

9.17 जीव और ब्रह्म में 'अंग- अंगी भाव संबंध' है। यह मत किसका है

A.शंकर B.रामानुज C. मध्व D.इनमें से किसी का नहीं

9.18 ईश्वर द्रव्य है और चित् तथा अचित उसके गुण- यह मत किसका है

A.शंकर B.रामानुज C.योग D. न्याय

9.19 निम्नलिखित में कौन ब्रह्म को सगुण-साकार मानते हैं।

A.सांख्य B.योग C.शंकर D. रामानुज

9.20 रामानुज के जगत् संबंधी विचार कहलाता है

A. ब्रह्म- परिणामवाद B.ब्रह्म- विवर्तवाद

C. प्रकृति-परिणामवाद D.आरम्भवाद

9.21 किस दर्शन के अनुसार आत्मा ज्ञानस्वरूप है और मुक्ति स्वरूप-ज्ञान है

A. अद्वैत B.द्वैत C.विशिष्टाद्वैत D.उपर्युक्त सभी

9.22 "सत्यं ज्ञानं अनन्तम्" ब्रह्म का कौन सा लक्षण है

A. स्वरूप लक्षण B. तटस्थ लक्षण C. दोनो D.दोनो में कोई नहीं।

9.23 " ब्रह्म वह है जिससे जगत उत्पन्न होता है,जिसमें स्थित रहता है और जिससे विनष्ट होता है।"- यह ब्रह्म का कैसा लक्षण है

A. स्वरूप लक्षण B. तटस्थ लक्षण C. दोनो D.कोई नहीं

9.24 शंकर के अनुसार मुक्ति का साक्षात् साधन है

A.ज्ञान B. कर्म C. भक्ति D.उपर्युक्त सभी

9.25 ज्ञान से मुक्ति होती है।(ज्ञानात् मुक्ति) – यह मत है

A. रामानुज B. सांख्य C.बौद्ध D. उपर्युक्त सभी

9.26 ज्ञान ही मुक्ति है (ज्ञानैव मुक्ति) इस मत के पोषक हैं

A. शंकर B. रामानुज C. दोनों D. कोई नहीं

9.27 निम्नलिखित में कौन जीवन्मुक्ति और विदेह मुक्ति को स्वीकार करते हैं

A. शंकर B. सांख्य C.दोनों D.कोई नहीं

9.28 आवरण और विक्षेप किसका कार्य है

A. आत्मा का B. माया का C. ब्रह्म का D.जगत का

9.29 ब्रह्म और जीव के बीच तादात्म्य संबंध है। यह मत किस दर्शन का है

A. अद्वैत B.सांख्य C. न्याय D.उपर्युक्त सभी का

9.30 शंकर के अनुसार सत्, चित् और आनंद ब्रह्म से कैसे संबंधित है

A.स्वरूप है B.गुण है C. दोनों है D. दोनों में कोई नहीं।

9.31 रामानुज के अनुसार मुक्ति का साक्षात्(प्रमुख) साधन है

A. भक्ति B.ज्ञान C.कर्म D.इनमें से कोई नहीं

9.32 ज्ञान का चरमोत्कर्ष भक्ति है। यह मत किसका है

A. शंकर B. रामानुज C. न्याय D. सांख्य

9.33 'जबतक शरीर विद्यमान है तबतक जीव मुक्त नहीं हो सकता।'- यह मत है

A. शंकर का B. रामानुज का C. दोनों का D. किसी का नहीं

9.34 निम्नलिखित दार्शनिकों में कौन जीवन्मुक्ति के समर्थक नहीं हैं

A.सांख्य B. बुद्ध C. रामानुज D. शंकर

9.35 " मुक्ति की अवस्था में आत्मा ब्रह्म में लीन (एकाकार हो जाती है"। - इस मत के पोषक हैं

A.सांख्य B. न्याय C. रामानुज D.शंकर

9.36 "मुक्ति की दशा में आत्मा ब्रह्म के सदृश हो जाती है।"- इस मत के समर्थक हैं

A. रामानुज B. शंकर C. सांख्य D. बौद्ध

9.37 किसके अनुसार "जीव और ईश्वर के बीच अपृथकसिद्धि संबंध है।"

A रामानुज B शंकर बौद्ध योग

9.38 "मर्जार किशोर न्याय" किसको निर्देशित करता है

A. भक्ति B. ज्ञान C. प्रपत्ति(शरणागति) D. कर्म

9.39 " मर्कट किशोर न्याय" किसको निर्देशित करता है

A. ज्ञान B. कर्म C. भक्ति D. प्रपत्ति

9.40 विशिष्टाद्वैतवाद के समर्थक हैं

A. रामानुज। B. शंकर C.मध्व D. कपिल

उत्तर (Answers)

1.1 A 1.2 D 1.3 B 1.4 D 1.5 D 1.6 C 1.7 D 1.8 A 1.9 D 1.10 A

1.11 D 1.12 D 1.13 B 1.14 D 1.15 A 1.16 B 1.17 B 1.18 D 1.19 A 1.20 D

……

2.1 A 2.2 A 2.3 D 2.4 B 2.5 C 2.6 C 2.7 C 2.8 A 2.9 C 2.10 A

2.11 C 2.12 A 2.13 C 2.14 A 2.15 D 2.16 C 2.17 D 2.18 C 2.19 B 2.20 A

2.21 D 2.22 D 2.23 B 2.24 A 2.25 D 2.26 C 2.27 B 2.28 D 2.29 D 2.30 C

2.31 B 2.32 D

……

3.1 B 3.2 A 3.3 C 3.4 C 3.5 A 3.6 B 3.7 C 3.8 D 3.9 D 3.10 D

3.11 B 3.12 D 3.13 B 3.14 D 3.15 D 3.16 B 3.17 A 3.18 B 3.19 A 3.20 B

3.21 C 3.22 C 3.23 B 3.24 A 3.25 C 3.26 D 3.27 A 3.28 A 3.29 C 3.30 B

……

4.1 B 4.2 C 4.3 D 4.4 A 4.5 B 4.6 D 4.7 B 4.8 B 4.9 A 4.10 B

4.11 B 4.12 B 4.13 A 4.14 D 4.15 A 4.16 C 4.17 C 4.18 A 4.19 D 4.20 B

4.21 B 4.22 A 4.23 C 4.24 D 4.25 D 4.26 A 4.27 A 4.28 B 4.29 A 4.30 A

……

5.1 D 5.2 B 5.3 D 5.4 D 5.5 D 5.6 A 5.7 A 5.8 A 5.9 B 5.10 A

5.11 A 5.12 A 5.13 C 5.14 D 5.15 A 5.16 D 5.17 C 5.18 A 5.19 A 5.20 B

5.21 A 5.22 D 5.23 A 5.24 C 5.25 A 5.26 A 5.27 A 5.28 B 5.29 D 5.30 D

5.31 A 5.32 B 5.33 A 5.34 B 5.35 D 5.36 D 5.37 A 5.38 D 5.39 B 5.40 B 5.41 A

……

6.1 A 6.2 B 6.3 D 6.4 C 6.5 A 6.6 A 6.7 B 6.8 B 6.9 B 6.10 A

6.11 B 6.12 C 6.13 B 6.14 D 6.15 B 6.16 A 6.17 D 6.18 D 6.19 D 6.20 D

6.21 C 6.22 D 6.23 B 6.24 B 6.25 B 6.26 D 6.27 A 6.28 B 6.29 A 6.30 D

6.31. C 6.32 C 6.33 A 6.34 C 6.35 B 6.36 D 6.37 B 6.38 B 6.39 A 6.40 A

……

7.1 A 7.2 B 7.3 A 7.4 D 7.5 A 7.6 A 7.7 D 7.8 A 7.9 B 7.10 C

7.11 A 7.12 C 7.13 D 7.14 D 7.15 A 7.16 A 7.17 B 7.18 B 7.19 D 7.20 D

7.21 A 7.22 A 7.23 A 7.24 C 7.25 C 7.26 C 7.27 C 7.28 B 7.29 A 7.30 B

……..

8.1 C 8.2 A 8.3 D 8.4 B 8.5 D 8.6 A 8.7 C 8.8 C 8.9 D 8.10 D

8.11 D 8.12 A 8.13 A 8.14 B 8.15 B 8.16 B 8.17 B 8.18 C 8.19 C 8.20 A

8.21 D 8.22 D 8.23 C 8.24 B 8.25 B 8.26 A 8.27 C 8.28 B 8.29 C 8.30 D

8.31 A 8.32 D 8.33 A 8.34 B 8.35 C 8.36 D 8.37 D 8.38 B 8.39 D 8.40 D

8.41 D 8.42 D

……

9.1 A 9.2 A 9.3 D 9.4 A 9.5 A 9.6 B 9.7 A 9.8 D 9.9 B 9.10 A

9.11 B 9.12 A 9.13 B 9.14 B 9.15 B 9.16 A 9.17 B 9.18 B 9.19 D 9.20 A

9.21 A 9.22 A 9.23 B 9.24 A 9.25 A 9.26 A 9.27 C 9.28 B 9.29 A 9.30 A

9.31 A 9.32 B 9.33 B 9.34 C 9.35 D 9.36 A 9.37 A 9.38 C 9.39 C 9.40 A

……